पाठ - 15
सीरते रसूल से हासिल होने वाली शिक्षाएं

الدرس الخامس عشر - هندي
مواقف و عبر من سيرته ﷺ

अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम सहाबा किराम रजियल्लाहु अन्हुम से हंसी मज़ाक़ किया करते थे लेकिन इस सूरत में भी हक़ बात ही कहा करते थे। इसी तरह अपने बाल बच्चों से दिल लगी किया करते थे और छोटे बच्चों का ख्याल रखा करते थे और अपने समय का एक हिस्सा उन्हें दिया करते थे और उनकी ताक़त और समझ के अनुसार उनके साथ मामला किया करते थे और उनकी नफ़सियात को समझते थे। आप अपने सेवक अनस रजियल्लाहु अन्हु से मज़ाक़ करते और कभी उन्हें ''या जल उज़नैन अर्थात ऐ दो बड़े कानों वाले कह कर पुकारते

एक व्यक्ति नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की सेवा में आया और कहाः''ऐ अल्लाह के रसूल! मुझे सवारी प्रदान कर दीजिए। आपने उससे मज़ाक़ में कहाः ''हम तो तुम्हें ऊंटनी के बच्चे पर सवार कराएंगे। वह बोला ''मैं ऊंट के बच्चे का क्या करुंगा? तो नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमायाः ''आखिर हर ऊंट ऊंटनी का बच्चा ही तो होता है। (अबु दाऊद 4998)

अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम हमेशा मुस्कुराते और सहाबा किराम के सामने आपके चेहरे पर खुशी हुआ करती थी। सहाबा किराम आपसे भली बातें ही सुना करते थे। अतएव जरीर रजियल्लाहु अन्हु से रिवायत है कि मैंने जब से इस्लाम स्वीकार किया, रसूले अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने अपनी दीदार से रोका नहीं और मुस्कुरा कर ही देखा और मैंने आप से इस बात का शिक्वा किया कि मैं घोड़े पर ठीक ढंग से नहीं बैठ पाता हूं तो आपने दुआ की ''ऐ अल्लाह! तू इसे साबित क़दम रख और उसे हिदायत की राह दिखाने वाला और हिदायत पाने वाला बना दे। इस दुआ के बाद वह कभी घोड़े से नहीं गिरे।

अल्लाह के रसूल सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम अपने रिष्तेदारों से भी दिल लगी किया करते थे। अतएव एक बार अपनी बेटी फ़ातिमा रजियल्लाहु अन्हाके घर तशरीफ़ ले गए तो देखा अली रजियल्लाहु अन्हु मौजूद नहीं थे। आपने पूछाः ''अली कहां हैं? उन्होंने बतायाः ''मेरे और उनके बीच कुछ झगडा हो गया था। वह मुझ से नाराज़ होकर घर से चले गए। नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम अली रजियल्लाहु अन्हु के पास गए। वे मस्जिद में लेटे हुए थे और उनकी चादर गिर गयी थी और उनके जिस्म पर मिट्टी लग गयी थी। अतएव रसूले करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम उनके जिस्म से मिट्टी यह कहते हुए झाड़ने लगे ''ऐ अबू तुराब उठो, ऐ अबू तुराब उठो।

आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम का बच्चों के साथ मामला : आप बच्चों के साथ भी अपने ऊंचे और महान अखलाक़ का मुज़ाहिरा किया करते थे। आप अपनी पत्नी आयशा रजियल्लाहु अन्हाके साथ दौड़ का मुक़ाबला किया करते और उन्हें सहेलियों के साथ खेलने दिया करते थे। आइशा रजियल्लाहु अन्हाबयान करती हैं कि मैं नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम के साथ गुड़ियों से खेला करती थी और मेरी कुछ सहेलियां थीं जो मेरे साथ खेला करती थी। आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम घर में दाखिल होते तो वे छुप जाया करती थीं। आप उन्हें मेरे साथ भेजते थे तो वे आकर मेरे साथ खेलती थीं।

इसी तरह आप सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम बच्चों का ख्याल रखते और उनसे दिल लगी किया करते थे। अतएव अब्दुल्लाह बिन शद्दाद अपने बाप से नक़ल करते हैं कि उन्होंने बयान किया ''एक बार अल्लाह के नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम मग़रिब या इशा में से किसी नमाज़ के लिए तशरीफ लाए। आप हसन या हुसैन रजियल्लाहु अन्हु को उठाए हुए थे। आगे बढ़कर आपने उन्हें एक तरफ़ बैठा दिया और नमाज़ के लिए तकबीर कह कर नमाज़ शुरु कर दी। सज्दे में गए तो उसे काफ़ी लम्बा कर दिया, मैंने सर उठाकर देखा तो बच्चा नबी करीम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम की पुष्त पर सवार था और नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम सज्दे ही में थे। मैं यह देखकर दोबारा सज्दे में चला गया। नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम जब नमाज़ अदा कर चुके तो लोगों ने अर्ज़ कियाः ''ऐ अल्लाह के रसूल! आपने आज नमाज़ में बहुत ही लम्बा सज्दा किया, मैं तो समझा कि शायद कोई हादसा पेश आ गया या आप पर वहय नाज़िल हो रही है? नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम ने फ़रमायाः ''इन में से कुछ भी नहीं हुआ, अलबत्ता मेरा यह बेटा मेरे ऊपर सवार हो गया था, मैंने इसे इसकी इच्छा के पूरा होने से पहले जल्दी इसे पुश्त से उतारना बेहतर नहीं समझा। अनस बिन मालिक रजियल्लाहु अन्हु बयान करते हैं कि नबी सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम लोगों में सबसे ज़्यादा अच्छे अख्लाक़ के मालिक थे। मेरा एक छोटा भाई था, उसे आप कहतेः ''अबू उमैर! नुग़ैर का क्या हुआ? नुग़ैर एक छोटी चिड़िया थी जिससे वह खेला करता था। इस तरह से रसूले अकरम सल्लल्लाहु अलैहि वसल्लम उस छोटे बच्चे का दिल बहलाते थे।